eLibrary
an information gateway to Jharkhand
Newspaper Clippings

Government of Jharkhand
Information & Public Relations Department

Publication: Hindustan
Category: Home, Jail & Management Department
Page No: 6 Date: 19/06/2017
Trend: Negative Press Release: NONE

कागजों में सिमटीं पुलिस की घोषणाएं

रांची | विशेष संवाददाता

झारखंड पुलिस की कई घोषणाएं कागज पर सिमट कर रह गई हैं, जिसका लाभ लोगों को नहीं मिल पाया है। मैं भी पुलिस, पुलिस आपके द्वार, आओ साथ चलें, पुलिस सखी, पुलिस मित्र, हेलो एंबुलेंस, ट्रैफिक मित्र कार्यक्रम की घोषणा की गई। सभी के अलग-अलग मतलब बताए गए, लेकिन इनकी शुरुआत तो हुई, लेकिन अब धरातल पर नहीं है।

पुलिस आपके द्वार : रांची के शहरी क्षेत्र में पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम की शुरुआत की गई। पुलिस अधिकारियों को गली-मुहल्ले में लोगों की समस्याएं सुननी थीं। इस तरह का कार्यक्रम धनबाद और जमशेदपुर में चलाया जाना था। पुलिस सखी भी बनाना था, जिससे महिलाओं को जोड़ना था। थाना स्तर पर पुलिस मित्र बनाए जाने थे। कुछ लोगों को बनाया गया, फिर बंद कर दिया।

हेलो एंबुलेंस : हेलो एंबुलेंस की घोषणा बड़े तामझाम से की गई। दुर्घटना और अन्य विकट स्थिति में जनता को एंबुलेंस की सुविधा मुहैया करायी जाती है, लेकिन वह भी बंद हो चुकी है।

ट्रैफिक मित्र : वैसे लोगों को जोड़ना था, जो ट्रैफिक सिस्टम ठीक कर सकें। उन्हें पहचान-पत्र दिया जाना था। कुछ जगह पर हुआ, कुछ जगह पर नहीं हुआ।

महिला कमांडो गायब : महिला और छात्राओं की विशेष सुरक्षा के लिए रांची और जमशेदपुर में शक्ति एप की शुरुआत की गई, जिसमें 40 महिला पुलिसकर्मी प्रतिनियुक्त किए गए थे, सभी गायब हैं।

महिला मुंशी की तैनाती : सभी शहरी थाने में महिला को मुंशी के रूप में पदस्थापित करने का आदेश दिया गया था। वह भी महज आदेश बनकर रह गया।

Software By
LOTUS COMM
Solution Partner
Services By
PRABHATAM GROUP